[This question paper contains 7 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8203 C **Roll No.....**

Unique Paper Code : 241303

Name of the Paper : CH 3.3 – MACRO-ECONOMICS

Name of the Course : B.Com. (Hons.), Part II
(Admissions of 2011 and onwards)

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. The paper is divided in three sections A, B & C all questions from each section should be attempted together.
3. **All** questions are compulsory.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न पत्र को तीन खण्डों (क, ख और ग) में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक खण्ड के प्रश्न के उत्तर एक साथ देना अनिवार्य है।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

SECTION – A (खण्ड क)

1. (a) Describe the circular flows of money in a three sector economy. (5)

(b) Show how the nominal supply of money depends upon the supply of high powered money, the currency deposit ratio and the reserve ratio. (10)

OR

(a) How is equilibrium determined in the financial markets in the classical framework ? (5)

(b) Explain the Baumol – Tobin transactions demand for money. (10)

(अ) त्रिक्षेत्रक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक संदर्भ में चक्रीय प्रवाह की व्याख्या कीजिए ।

(ब) दर्शायें कि किस प्रकार से सांकेतिक मुद्रा पूर्ति (Nominal money supply) High Powered money, मुद्रा जमा अनुपात (Currency deposit ratio) एवं रिर्जव अनुपात से निर्धारित होती है ।

अथवा

(अ) क्लासिकल सिद्धान्त के सन्दर्भ में वित्तीय व्यापार में साम्य का निर्धारण किस प्रकार से निर्धारित होता है ?

(ब) मुद्रा की माँग के लिए 'बामोल' टोबिन के "लेनदेन माँग" की व्याख्या कीजिए ।

2. (a) What is the impact of Autonomous Spending on the level of rate of interest (r) and level of Income (Y) ? (10)

(b) How can "Crowding Out" be ' accommodated' ? (5)

OR

(a) Examine the effectiveness of monetary and fiscal policy in the following cases :

(i) The Liquidity Trap

(ii) The Classical Case (10)

(b) Distinguish between the Keynesian and the Classical Aggregate Supply Curves. (5)

(अ) 'स्वायत व्यय' (Autonomous spending) का ब्याज के स्तर एवं आय के स्तर पर क्या प्रभाव है ?

(ब) "क्राउडिंग आउट" को किस प्रकार से "समाहित" (Accommodate) किया जा सकता है ?

अथवा

(अ) निम्न स्थितियों में मौद्रिक एवं राजकोशीय नीतियों की प्रभावशीलता की विवेचना कीजिए -

(i) तरलता जाल

(ii) क्लासिकल स्थिति

(ब) केन्स समस्त (Aggregate) पूर्ति वक्र एवं क्लासिकल समस्त पूर्ति वक्र में अन्तर की व्याख्या कीजिए।

SECTION – B (खण्ड ख)

3. Given the following information :

Consumption	:	$C = 200 + 0.75\ Yd$
Taxes	:	$TA = 200$
Investment	:	$I = 200 - 25\ i$
Government Expenditure	:	$G = 200$
Demand for Money	:	$L = 0.5Y - 50\ i$
Nominal Money Supply	:	$M = 900$
Price Level	:	$P = 3$

(a) Determine equilibrium income and the rate of interest.

(b) If Govt. expenditure is increased by 150, determine :

(i) The change in the level of income

(ii) The shift in the IS curve

(c) If the increase in Govt. expenditure is accompanied by an increase in taxes by 150, what is the change in the level of income ? (6+5+4)

OR

Given the following information :

Consumption	:	C = 100 + 0.75 Yd
Taxes	:	TA = 0.2Y
Transfer Payments	:	TR = 80
Investment	:	I = 396 – 16 i
Government Expenditure	:	G = 340
Demand for Money	:	L = 0.2 Y – 8 i
Nominal Money Supply	:	M = 400
Price Level	:	P = 2

(a) Determine equilibrium income and the rate of interest

(b) Calculate the Fiscal Policy Multiplier and the Monetary Policy Multiplier

(c) If equilibrium income has to be increased by 180, determine :

(i) The required increase in Govt. expenditure

(ii) The required increase in real money supply. (6+5+4)

किसी अर्थव्यवस्था के लिए प्रदत्त है ।

Consumption	:	C = 200 + 0.75 Yd
Taxes	:	TA = 200
Investment	:	I = 200 – 25 i
Government Expenditure	:	G = 200
Demand for Money	:	L = 0.5Y – 50 i

Nominal Money Supply	:	M = 900
Price Level	:	P = 3

(अ) अर्थव्यवस्था में साम्य आय एवं ब्याज ज्ञात कीजिए।

(ब) यदि G में 150 की वृद्धि की जाती है तो निम्न का निर्धारण कीजिए।

(i) साम्य आय में परिवर्तन

(ii) IS वक्र में विवर्तन

(स) यदि सरकारी व्यय में वृद्धि में साथ-साथ करों में भी 150 की वृद्धि होती है तो आय के स्तर में कितना परिवर्तन होगा।

अथवा

किसी अर्थव्यवस्था के लिए प्रदत्त है -

Consumption	:	C = 100 + 0.75 Yd
Taxes	:	TA = 0.2Y
Transfer Payments	:	TR = 80
Investment	:	I = 396 – 16 i
Government Expenditure	:	G = 340
Demand for Money	:	L = 0.2 Y – 8 i
Nominal Money Supply	:	M = 400
Price Level	:	P = 2

(अ) साम्य आय एवं ब्याज की दर का निर्धारण कीजिए।

(ब) राजकोषीय नीति एवं मौद्रिक नीति गुणक की गणना कीजिए।

(स) यदि साम्य आय में 180 की वृद्धि आवश्यक है तो निम्न का निर्धारण कीजिए -

(i) सरकारी व्यय में आवश्यक वृद्धि

(ii) वास्तविक मुद्रा की मात्रा में वृद्धि

SECTION – C (खण्ड ग)

4. (a) Explain the determinants of Natural Rate of Unemployment. (7)

(b) What are the causes of "Wait Unemployment" ? (8)

OR

(a) Explain the effects of monetary expansion in :

(i) The Short Run

(ii) The Long Run (10)

(b) What does the "Neutrality of Money" mean ? (5)

(अ) बेरोजगार की प्राकृतिक दर (Natural rate of unemployment) की व्याख्या कीजिए ।

(ब) "प्रतीक्षात्मक" बेरोजगार (Wait unemployment) के क्या कारण हैं ?

अथवा

(अ) मौद्रिक विस्तार के प्रभावों की निम्न के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए -

(i) अल्पकाल में

(ii) दीर्घकाल में

(ब) मुद्रा की तटस्थता से क्या अभिप्राय है ?

5. (a) Determine the equilibrium real interest rate and real exchange rate in a large open economy. (7)

(b) Discuss the effectiveness of fiscal policy in a small open economy under flexible exchange rate. (8)

OR

(a) How does the large open economy differ from a small open economy ? (5)

(b) What are the effects of expansionary fiscal and monetary policies on exchange rate and net exports in a large open economy. (10)

(अ) बड़ी खुली अर्थव्यवस्था में वास्तविक ब्याज दर एवं वास्तविक विनिमय दर के निर्धारण की व्याख्या कीजिए।

(ब) एक छोटी खुली अर्थव्यवस्था जहाँ पर प्लवमान विनिमय दर विद्यमान है में राजकोषीय नीति की प्रभावशीलता की व्याख्या करें।

अथवा

(अ) बड़ी खुली अर्थव्यवस्था एवं छोटी खुली अर्थव्यवस्था में क्या अन्तर है ?

(ब) विस्तार वान राजकोषीय एवं मौद्रिक नीति के बड़ी खुली अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत विनिमय दर एवं निवल निर्यात पर क्या प्रभाव होता है ?